



RAJUL



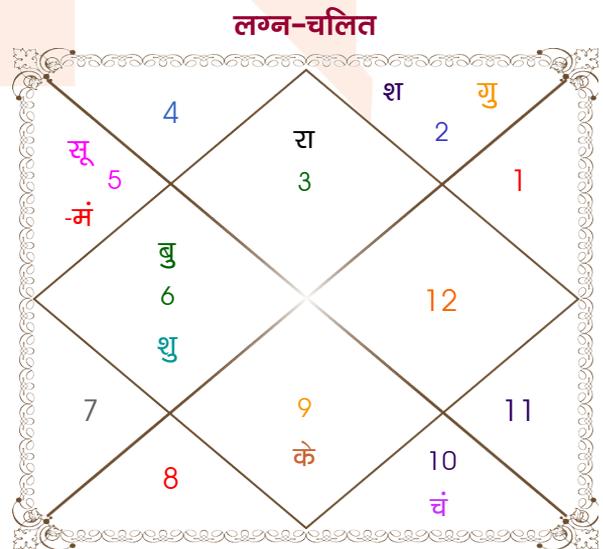
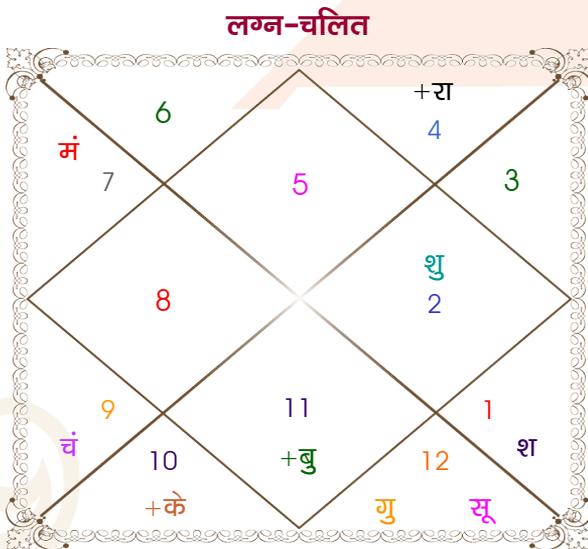
SHREYA

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121295002

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : स्त्रीलिंग
 08/04/1999 : _____ जन्म तिथि _____ : 9-10/09/2000
 गुरुवार : _____ दिन _____ : शनि-रविवार
 घंटे 15:45:00 : _____ जन्म समय _____ : 01:45:00 घंटे
 घटी 23:13:00 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 48:19:07 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Mumbai : _____ स्थान _____ : Ajmer
 18:58:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ : 26:29:00 उत्तर
 72:50:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ : 74:40:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:38:40 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:31:20 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 06:27:47 : _____ सूर्योदय _____ : 06:14:31
 18:53:40 : _____ सूर्यास्त _____ : 18:42:11
 23:50:36 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 23:51:45

विंशोत्तरी शुक्र 15वर्ष 2मा 21दि चन्द्र	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी सूर्य 0वर्ष 6मा 4दि राहु
28/06/2020	10:32:25	सिंह	लग्न	मिथु	24:00:00	16/03/2018
29/06/2030	24:17:35	मीन	सूर्य	सिंह	23:34:34	15/03/2036
चन्द्र	16:31:01	धनु	चंद्र	मक	08:51:43	राहु
29/04/2021	15:37:45	तुला व	मंगल	सिंह	01:36:21	26/11/2020
मंगल	28:36:29	कुंभ	बुध	कन्या	09:15:19	गुरु
28/11/2021	18:57:53	मीन	गुरु	वृष	16:44:00	22/04/2023
राहु	01:17:45	वृष	शुक्र	कन्या	18:01:39	शनि
30/05/2023	10:29:48	मेष	शनि	वृष	07:06:36	26/02/2026
गुरु	26:21:46	कर्क व	राहु व	मिथु	29:33:36	बुध
28/09/2024	26:21:46	मक व	केतु व	धनु	29:33:36	केतु
शनि	22:11:08	मक	हर्ष व	मक	23:52:19	शुक्र
29/04/2026	10:18:07	मक	नेप व	मक	10:15:48	सूर्य
28/09/2027	16:28:25	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	16:23:58	चन्द्र
बुध						मंगल
केतु						15/03/2036
शुक्र						
सूर्य						



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	वानर	नकुल	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शनि	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	धनु	मकर	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.00		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

RAJUL का वर्ग मूषक है तथा SHREYA का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार RAJUL और SHREYA का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

RAJUL मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

SHREYA मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

RAJUL तथा SHREYA में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।